बृहस्पतिवार
18 जनवरी 2024

पृष्ठ 4

पत्तागोभी खाने से पहले बरतें सावधानी !

पृष्ठ 5

इस साल कई किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करूँगा : आयुष्मान

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 332
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैली मेल

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है।

– रामधारी सिंह दिनकर

बस राम मंदिर का शोर, सब मुद्दे कमजोर

❑भाजपा की चुनावी रणनीति में फेर-बदल संभव
❑रामलला को लेकर विपक्ष को खेल में खलल की आशंका

विशेष संवाददाता

देहरादून। लोकसभा चुनाव से पूर्व अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर और रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों की जो धूम इन दिनों उत्तर प्रदेश और पूरे देश में सुनाई पड़ रही है उसे लेकर भाजपा नेताओं का उत्साह भी अपने चरम पर है। उन्हें प्राण प्रतिष्ठा के प्रचार प्रसार की इस गूंज में यह साफ दिखने लगा है कि देश में एक बार फिर राम मंदिर निर्माण का मुद्दा ही सबसे प्रभावी साबित होने वाला है और लोकसभा चुनावों में इसका बड़ा फायदा भाजपा को मिलना तय है।

राम मंदिर निर्माण और 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पूर्व देश भर में जिस तरह से राम मंदिर की लहर इन दिनों चल रही है वैसी उम्मीद शायद पहले भाजपा नेताओं को भी नहीं थी। यही कारण था कि भाजपा के नीतिकार अन्य तमाम मुद्दों को भी प्राथमिकता के तौर पर रखे हुए थे। लेकिन अब हिंदुत्व की लहरों का उद्वेग देखते हुए उन्होंने भी अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता पर अयोध्या के राम मंदिर और प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को रखा जा चुका है।

भाजपा ने यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) जैसे जिन मुद्दों पर सालों पहले तैयारी शुरू कर दी थी वह भले ही अभी उसके एजेंडें में हो लेकिन उसमें थोड़ा बहुत फेरबदल के लिए भी भाजपा तैयार लग रही है। यूसीसी का ड्राफ्ट बनाने के लिए जो कमेटी बनाई गई थी उसका कार्यकाल 22 जनवरी को समाप्त हो रहा है मगर ड्राफ्ट तैयार होने के बाद भी उसे अभी तक सरकार को नहीं सौंपा गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब इसे थोड़े समय बाद ही सरकार को सौंपा जा सकता है भले ही इसके लिए सरकार को कमेटी का कार्यकाल एक बार फिर बढ़ाना पड़े। 22 जनवरी तक भाजपा के नेता प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। क्योंकि पूरे देश में भजन–कीर्तन और अन्य तमाम कार्यक्रमों का दौर जारी है जिसका शोर 22 तक ही नहीं इसके बाद भी थमेगा नहीं। प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी कह चुके हैं कि जनप्रतिनिधि 22 जनवरी के बाद अपने क्षेत्रों के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में लेकर अयोध्या आए और रामलला के दर्शन कराये।

22 जनवरी को पूरे देश में दीपोत्सव मनाया जाएगा जिसे राष्ट्रीय पर्व की तरह मानने की घोषणा हो चुकी है। उसके साथ ही रामलला ◄◄ शेष पृष्ठ 7 पर

कार खाई में गिरी, दो की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में देर शाम टिहरी जनपद के नरेन्द्रनगर क्षेत्र में एक कार के खाई मे गिर जाने से डोईवाला निवासी दो लोगों की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया गया। जहां से एक शव को रात ही बरामद कर लिया गया जबकि दूसरे शव को आज सुबह बरामद किया गया है। पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार डोईवाला के प्रसिद्ध व्यापारी और लायंस क्लब के मेंबर संजय बजाज बीती शाम अपने दोस्त सुशील रावत के साथ प्राइवेट कार से टिहरी के नरेंद्र नगर गए थे। संजय बजाज की डोईवाला में बजाज साइकिल स्टोर के नाम से दुकान है और वह भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष मंदीप बजाज के बड़े भाई थे। इसी दौरान उनकी कार 400 फीट गहरी खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि दुर्घटना स्थल डोईवाला से (रानीपोखरी मार्ग से) लगभग 16 किलोमीटर दूर है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ दुर्घटना स्थल पर पहुंची। जिनके द्वारा खाई में गिरे सुशील रावत को सबसे पहले रेस्क्यू किया गया। जो इस दुर्घटना में बुरी तरह से घायल थे जिन्होने उपचार के दौरान उन्होंने अपना दम तोड़ दिया।

देर रात्रि होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन आज सुबह दोबारा शुरू किया गया जिसमें संजय बजाज का शव बरामद कर लिया गया। इस दुर्घटना में कार में सवार बताये जा रहे कानपुर निवासी राजेंद्र कुमार का एक नक्शा था। हालांकि वह इस दुर्घटनाग्रस्त कार में सवार नहीं थे। एसडीआरएफ की टीम को इस नक्शे पर डोईवाला निवासी आर्किटेक्ट अजय वर्मा का मोबाइल नंबर लिखा हुआ मिला इसके बाद एसडीआरएफ टीम ने डोईवाला में अजय वर्मा से संपर्क किया गया। राजेंद्र कुमार कानपुर के रहने वाले हैं। जिनकी रिश्तेदारी ऋषिकेश में है सुशील रावत और संजय बजाज उनके मित्र थे। बहरहाल पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

उत्तरकाशी में महसूस हुए भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर रही 2.8 तीव्रता

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। जिले में आज सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 2.8 मापी गई। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आये। भूकंप से किसी तरह के जान माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

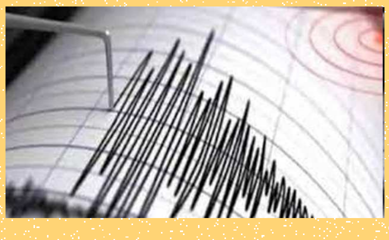

जिला आपदा प्रबंधन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। आज सुबह आए भूकंप के झटकों से उत्तरकाशी की धरती डोली तो लोग एक बार फिर सहम गए। हालांकि उत्तरकाशी में भूकंप के झटके लोगों ने कई बार महसूस किए गए है।

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के भूकंप विज्ञानियों की मानें तो उत्तराखंड भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। उत्तराखंड का ज्यादातर इलाका भूकंप के लिहाज से जोन चार और पांच में हैं। इसलिए बार-बार भूकंप की घटनाएं देखने को मिल रही हैं।

शराबी पिता ने नशे में दो साल की बेटी को पीट-पीटकर मार दिया

संवाददाता

देहरादून। शराबी पिता ने नशे की हालत में अपनी दो साल की बेटी को पीट–पीट कर मार दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी नीरा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने पति आनंद सिंह व एक बेटी नित्या उम्र 2 वर्ष के साथ किराये के मकान में रहती है। उसका पति जो कि आर्मी में कार्यरत है जब भी छुट्टी पर घर आता है तो घर पर ही शराब का सेवन करता है व अपनी दो साल की बेटी को बेवजह ही मारता पिटता रहता था। वह जब भी अपने पति का विरोध करती तो वह उसको भी ध मकाता था उसको भरोसा था की वह कुछ दिनों में समझ जायेगा तो बेटी को नही मारेगा पिटेगा लेकिन यह सिलसिला चलता रहा वह जब भी छुट्टी पर घर आता तो घर पर ही शराब का सेवन कर अपनी बेटी को मारता पिट्ता रहता। 22 दिसम्बर 2023 को उसका पति छुट्टिया आया व आये दिन पहले कि तरह ही अपनी बेटी को मारता पिटता रहा। 10 जनवरी 2024 को भी रात्री लगभग 7 बजे वह घर पर ही शराब का सेवन कर अपनी बेटी को बहुत बुरी तरह हाथो से मारने पिटने लगा जिस कारण उसकी बेटी बहुत ही गम्भीर अवस्था में पहुंच गई जिसके बाद वह आनन फानन में उसे महंत इंद्रेश अस्तपताल में लेकर गई लेकिन महंत इंद्रेश अस्तपताल में डाक्टर उपलब्ध न होने के कारण वह अपनी बेटी को मिलेट्री अस्तपताल गढी कंट लेकर गई क्योंकि उसकी हालत बहुत नाजुक थी लेकिन मिलेट्री अस्तपताल गढी कंट मे भी डाक्टर उपलब्ध न होने के कारण उसे मेक्स अस्तपताल रेफर करने को कहा वह अपनी बेटी को उसी समय मेक्स अस्तपताल लेकर गई जहाँ उसे भर्ती कराया गया लेकिन मेक्स अस्तपताल में 13 जनवरी 2024 लगभग रात्री 8 बजे इलाजे दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

दून वैली मेल

संपादकीय

स्थाई राजधानी पर फैसला असंभव

जब भी चुनाव आते हैं राज्य की स्थाई राजधानी का मुद्दा चर्चाओं में आ जाता है और चुनाव होते ही इसे कुछ समय के लिए भुला दिया जाता है बीते 20 साल में सूबे की सरकारें और नेता इस मुद्दे पर राजनीति तो करते आ रहे हैं मगर इसका कोई समाधान नहीं कर सके हैं। राज्य की दो राजधानी बन चुकी है तथा दो विधानसभा भवन की बन चुके हैं तथा तीसरे विधानसभा भवन के निर्माण के लिए जद्दोजहद जारी है लेकिन अब तक राज्य की स्थाई राजधानी पर फैसला नहीं लिया जा सका है। आंदोलन के समय से राज्य के लोग पहाड़ की राजधानी पहाड़ में बनाये जाने को लेकर भावनात्मक रूप से संजीदा रहे हैं उन्होंने इसके लिए कई आंदोलन तक किए हैं लेकिन हैरानी की बात है कि सूबे के नेता और सत्ता में बैठे लोग राज्यहित और जनहित में हर फैसला लेने का दावा तो करते रहे हैं मगर राज्य की स्थाई राजधानी के मुद्दे पर उन्होंने जन भावनाओं की कभी कदर नहीं की है। हां इस पर राजनीति करने में न बीजेपी पीछे रही और न कांग्रेस। 2012 में जब विजय बहुगुणा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी तो उसने इसका श्रेय लेने के लिए गैरसैण में विधानसभा भवन की नींव रखकर प्रदेशवासियों को यह संदेश देना चाहा कि वहीं है जो पहाड़ की राजधानी बना सकते हैं। लेकिन उसने अपने पूरे कार्यकाल में यह नहीं तय किया और बताया कि गैरसैंण में राज्य की स्थाई राजधानी बनाई जा रही है। उसके बाद आई भाजपा की त्रिवेंद्र सरकार ने गैरसैंण को राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर इसका श्रेय लेने की कोशिश की। कांग्रेस अगर चाहती तो गैरसैंण को राज्य की स्थाई राजधानी घोषित कर इस अध्याय को बंद कर सकती थी और भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार भी इसे ग्रीष्मकालीन की जगह स्थाई राजधानी घोषित कर सकती थी। अब कांग्रेसी नेता गैरसैंण को स्थाई राजधानी बनाने की बात कर रहे हैं वहीं भाजपा इसे ग्रीष्मकालीन राजधानी ही बनाए रखने के पक्ष में है। सवाल यह भी है कि अगर गैरसैंण ग्रीष्मकालीन राजधानी है तो फिर शीतकालीन राजधानी कहां है देहरादून को ऑन पेपर अस्थाई राजधानी ही माना जाता था अगर देहरादून शीतकालीन राजधानी है तो फिर इसका फैसला संवैधानिक रूप से किया जाए। एक सवाल यह भी है कि इस 13 जनपद के छोटे से राज्य को क्या दो राजधानियों की जरूरत है अगर नहीं है तो दून या गैरसैंण में से किसी भी एक को स्थाई राजधानी घोषित करने में क्या दिक्कत है। इस स्थाई राजधानी के मुद्दे को नेता व राज्य की सरकारें क्यों उलझायें रखना चाहती है। तीसरी विधानसभा की राज्य को क्या जरूरत है दून में जब एक विधानसभा भवन मौजूद है तो फिर नए विधानसभा भवन बनाने का प्रयास क्यों किया जा रहा है। देहरादून में नया विधानसभा भवन बनाने का मतलब साफ है कि गैरसैंण को कभी स्थाई राजधानी बनाने की कोई गुंजाइश नहीं है राज्य की अब दो ही राजधानियां रहेगी एक दून में और एक गैरसैण में। ऐसे में बेहतर हो कि गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी के बाद दून को भी अब अस्थाई राजधानी की बजाय शीतकालीन राजधानी घोषित कर दिया जाए और राज्य की स्थाई राजधानी के मुद्दे को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाए। भले ही उत्तराखंड के लोगों की यह दिली चाहत रही हो कि पहाड़ की राजधानी पहाड़ में हो लेकिन सूबे के नेता और राजनीतिक दल कतई भी यह नहीं चाहते हैं। यह एक ऐसा सच है जिसे कोई नेता या दल स्वीकार करने को तैयार नहीं है उन्हें अब देहरादून ही सबसे ज्यादा रास आता है। यही वजह है कि उन्होंने पहाड़ को छोड़कर दून में अपने आशियाने बना लिए हैं उन्हें गैरसैंण में गाहे-बगाहे होने वाले विधानसभा सत्रों में आना-जाना भी बहुत खलता है बीते 9 सालों में या सिर्फ 30 दिन विधानसभा सत्र चलना इसकी गवाही देता है। यह अलग बात है कि गैरसैंण राजधानी पर बात अब तक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि कदम पीछे नहीं खींचें जा सकते हैं। वरना यह नेता राज्य की एक ही स्थाई राजधानी देहरादून को ही बना डालते। लेकिन अब इस पर राजनीति को विराम देकर सूबे के नेताओं को इसका सर्वमान्य कोई फैसला कर लेना चाहिए जिससे यह मुद्दा चुनाव पर हावी न हो।

हवाई यात्रा के फर्जी टिकट देकर ठगे चार लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। केदारनाथ हवाई यात्रा के लिए फर्जी टिकट देकर चार लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सब एरिया कैंटीन के पास रहने वाले देवी दास बलहारी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह देहरादून आया था जो उत्तरकाशी से केदारनाथ हवाई यात्रा के लिये टिकट देहरादून ट्रैवलस उत्तरकाशी से ऑनलाइन बुक बनवाये थे जिसकी धनराशि 401760 रूपये भुगतान की थी। जब टिकट की जाँच की गई तो वह सारे टिकट फर्जी पाये गये। इस तरह से उसके साथ धोखाधडी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अच्छा समुद्रमिन्दवोऽस्तं गावो न धेनवः।
अग्मन्नृतस्य योनिमा॥
(ऋग्वेद ९-६६-१२)

हे परमेश्वर ! प्रबुद्ध योगी आपकी ओर इस प्रकार बढ़ते हैं जिस प्रकार कि नदी समुद्र की ओर, और गाय अपनी गौशाला की ओर बढ़ती है। आप अनादि सत्य के स्रोत हैं और जगत के स्वामी है।

रूहानी पिता

❑संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

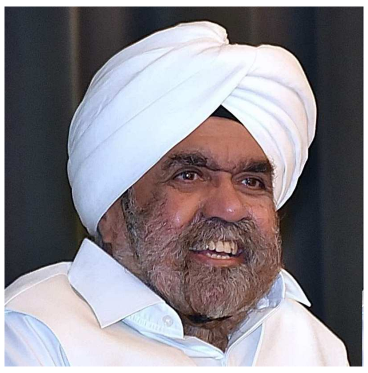

प्रभु हमारे रूहानी-पिता हैं। प्रत्येक माता-पिता की तरह प्रभु भी यही चाहते हैं कि हम उनके आज्ञाकारी बच्चे बनें और उन उपहारों के लिए जो हमें प्रभु से प्राप्त हुए हैं, उनका शुक्रगुजार होना चाहिए। प्रत्येक माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों में वे सद्गुण हों जो उनके अनुसार बच्चों में होने चाहियें। हर माता-पिता की यही कोशिश होती है कि उनका पुत्र या पुत्री एक अच्छा इंसान बनें। हालाँकि माता-पिता को अपने बच्चों से कई उम्मीदे होती हैं किंतु सबसे पहले वे चाहते हैं कि उनका बच्चा एक अच्छा व्यक्ति बनें।

परमात्मा भी इससे अलग नहीं हैं। जब परमात्मा ने सभी आत्माओं को बनाया तब उन्होंने यह आशा की कि हम सब भी प्रभु-रूप बनें। इंसान को परमात्मा की छवि के रूप में बनाया गया है इसलिए वास्तव में मानव प्रभु का ही रूप है। परमात्मा चाहते थे कि हर इंसान इंसानियत से भरपूर नेक-पाक जिंदगी जिये परंतु हम मानव चोले में रहते हुए अपने मन के बहकावे में आकर अपने असली आत्मिक रूप को भूल जाते हैं और जैसा प्रभु चाहते हैं वैसा जीवन नहीं जीते। परमात्मा भी प्रत्येक इंसान से यही उम्मीद करते हैं।

वे चाहते हैं कि हम सब भी उनकी सृष्टि के हरेक जीव-जन्तु के प्रति प्रेम भाव रखें, एक-दूसरे के मददगार हों तथा प्रभु से प्यार करें। इसी उद्देश्य के कारण सृष्टि का निर्माण किया गया था तथा मानव रचना की गई थी। यह कहा जाता है कि प्रभु ने इंसान को इसलिए बनाया ताकि वह अपने साथियों एवं अन्य प्राणियों के प्रति दया और करुणा का व्यवहार करे। हमारे रूहानी पिता परमात्मा द्वारा जो सुरक्षा चक्र हमें संत -सतगुरुओं के रूप में दिया गया है वह अनुपम है, उदार है।

परमात्मा ही सदा-सदा के संरक्षण देने वाले हमारे सच्चे पिता हैं। प्रभु ने संसार में संत-सतगुरुओं को इसलिए भेजा है ताकि वे हमारी आत्मा को वापिस प्रभु में लीन करा सकें। वे हमेशा इस धरा पर प्रभु के प्रतिनिधित्व कर्त्ता के रूप में रहते हैं और सभी आत्माओं की सहायता करते हैं। ऐसा हमेशा संसार में होता रहेगा। जब भी आत्मा प्रभु से मिलने के लिए रोती है, प्रभु ऐसे साधन उपलब्ध कराते हैं, जिससे आत्मा किसी पूर्ण सतगुरु की शरण में आए और जान जाए किस प्रकार वह अंतर्मुख होकर प्रभु से जुड़ सकती है और उन्हें पा सकती है।

हमारे सतगुरु हमारी जिंदगी में आने वाले कर्मों से छुटकारा पाने में हमारी मदद करते हैं। अगर हम आध्यात्मिक और सद्गुणों से भरा जीवन जीते हैं, तब हम अपने लिए नए बुरे कर्म नहीं बनाते, जिसके लिए हमें आगे कष्ट न झेलना पड़े। अगर हम सबसे प्रेम करना, दयालुता और निष्काम सेवा जैसे सद्गुणों को अपने जीवन में ढालते हैं तथा दूसरों की मदद करते हुए बदले में अपने लिए कोई फल नहीं चाहते, तब हम अपने लिए नए कर्म नहीं बनाते, जोकि हमें वापिस इस दुनिया में लाने का कारण बनते हैं।

संत-महापुरुष हमें यह समझाते हैं कि हमारे जीवन का 75 प्रतिशत हिस्सा पहले से ही निश्चित है लेकिन 25 प्रतिशत हमें कर्मों की आजादी है। जिसका सही उपयोग ध्यान-अभ्यास करना, सत्संग में जाना, पूर्ण सतगुरु के दर्शन करना आदि कार्यों में समय लगाकर नेहकर्म की अवस्था में पहुँच जाते हैं। ऐसा करने से हमारे कर्मों का लेखा-जोखा इसी जीवन में समाप्त हो जाता है। तब हम प्रभु के अच्छे बच्चे बन जाते हैं। जिसके फलस्वरूप जिंदगी के अंत में हमारी आत्मा को वापिस लौटना नहीं पड़ता और वह प्रभु की गोद में वापिस जाकर समा जाती है।

लाठियां खाई जेल गए, अब राम मंदिर बन गया तो खुशी होगी ही: कोहली

❑राम भक्तों से अयोध्या जाने व दर्शन करने की अपील की

विशेष संवाददाता

देहरादून। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए जब 1990 के दशक में आंदोलन अपने चरम पर था उसे समय पूरे देश के साथ देहरादून के लोग भी इस आंदोलन को लेकर समर्पित थे। हमने भी पुलिस की लाठियां खाई हैं और महीनों जेल में काटे हैं। अब राम मंदिर बन चुका है और रामलला मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं तो खुशी तो होगी ही।

राम मंदिर आंदोलन की यादें ताजा करते हुए करनपुर निवासी विजय कोहली ने कहा कि वह उसे समय बजरंग दल के संयोजक थे। अपने तमाम साथियों के साथ वह भी देहरादून में राम मंदिर निर्माण के लिए धरने-प्रदर्शन व आंदोलन कर रहे थे। कोहली ने बताया कि वह आंदोलन की रणनीति बनाने में जुटे थे तभी उन्हें सूचना मिली कि पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए आ रही है। उन दिनों पुलिस प्रशासन राम मंदिर आंदोलनकारियों पर बर्बरता पूर्ण कार्यवाही पर आमादा था। जब पुलिस आने की खबर मिली तो वह गलियों से होते हुए डीएवी कॉलेज गेट के पास पहुंचे जहां से वह सुभाष रोड व कनक चौक से होते हुए पलटन बाजार पहुंच गए। इसकी सूचना पाकर उनके कई साथी भी उनके साथ आ गए। उस समय सीओ यादव ने कोतवाली के पास लाठी चार्ज करा दिया। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरे कुछ साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसमें विनोद शर्मा, पदम सेन शर्मा तथा हंसराज गेरा कपूर एडवोकेट वह बंगाली दादा आदि शामिल थे। हमें टिहरी जेल भेज दिया गया जहां महीने भर से भी अधिक समय तक हम जेल में रहे।

उनका कहना है कि राम मंदिर आंदोलन का जो लोग हिस्सा रहे अब उनकी मुराद पूरी हो रही है। अयोध्या में भव्य-दिव्य राम मंदिर बन चुका है तथा 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इसकी खुशी हर एक हिंदू और राम भक्त को होनी स्वाभाविक है। जिन्होंने राम मंदिर के लिए लाठी डंडे खाए, जेल गए और उनके अपनों ने प्राण तक न्योछावर कर दिए उनके लिए तो इससे बड़ा व खुशी का कोई दिन नहीं हो सकता। उनका कहना है कि वर्षों पुराना सपना साकार हो रहा है अत्यंत खुशी है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वह अधिक से अधिक संख्या में अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करें।

भाजपा गढ़ सुरक्षित, सैंध मुश्किल

हरिशंकर व्यास,

गुरूवार को भोपाल में भाजपा की चुनाव तैयारियों की बड़ी बैठक हुई। शनिवार को जयपुर में बैठक है। इनमें मंदिर को लेकर माहौल और माहौल को दो-ढ़ाई महिने बनाए रखने के रोडमैप पर विचार होता है तो लोकसभा चुनाव की ठोस रणनीति भी बनती हुई है। मतलब यह कि प्रदेश में विधानसभा चुनावों की थकान, सरकार-मंत्रिमंडल के गठन, विधायकों-मंत्रियों से स्वागत दौरे जैसे काम पूरे हुए नहीं उससे पहले ही प्रदेशों में भाजपा ने अपने आपको लोकसभा चुनाव की तैयारियों में झोंक दिया है।

जबकि ठिक विपरित छतीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान में कांग्रेस इस वक्त पूरी तरह हताश, लावारिश, बिखरी और बिना नेतृत्व के है। और उत्तर भारत में यह हर तरफ है। तय माने ऐसा अयोध्या में मंदिर कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस और राहुल गांधी की यात्रा की भूमिका बनने (मतलब उत्तरपूर्व व बंगाल तक की उनकी यात्रा) तक रहेगा। कांग्रेस किसी स्तर पर भाजपा के गढ (यूपी, गुजरात, एमपी, राजस्थान, छीसगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, हिमाचल, जम्मू, चंडीगढ) की 207 लोकसभा सीटों में जमीनी चुनावी तैयारियां करते हुए, कमर कसते नहीं दिख रही है। यह बात इंडिया एलायंस के अखिलेश यादव व जयंत चौधरी पर लागू है तो अरविंद केजरीवाल पर भी लागू है।

लग रहा है भाजपा भाजपा उम्मीदवारों की सूचियां जनवरी आखिर से आनी शुरू हो जाएगी। इससे पहले संगठन नेता, संघ-भाजपा मशीनरी राम मंदिर के आयोजन के प्रचार में घर-घर हवा बनाते हुए है तो उम्मीदवारों की छंटनी, संगठनात्मक बंदोबस्त करते हुए भी है तो कांग्रेस में तोडजोड की संभावनाएं भी टटोली जा रही है।

इसलिए क्या न माना जाएं कि राम मंदिर की हवा में उत्तर भारत की 207 सीटों में कांग्रेस और इंडिया एलायंस रामभरोसे ही रहेगा। यों विपक्ष में सीटों के बंटवारे पर विचार-विमर्श है लेकिन पार्टियों में जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की एकुजटता बने, आर-पार की लड़ाई का जुनून बने, ऐसा कुछ होता हुआ नहीं है। वजह यह भी है कि नरेंद्र मोदी इसका मौका ही नहीं बनने दे रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक के बाद एक, हर दिन के कलेंडर में घटनाओं की भरमार और उन पर मीडिया में नैरेटिव का सिलसिला ऐसा भारी है कि विपक्षी नेता करे तो क्या करें? कैसे तो नेता-संगठन सक्रिय हो, भीड़ जुटे और कवरेज मिले। इसलिए उत्तर भारत की इन 207 सीटों पर दमदारी से चुनाव लडने की हवा बनाना भी आसान नहीं है!

अलगावादी-आतंकवादी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ नहीं दे सकते

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बातचीत में भारतीय विदेश नीति और विभिन्न देशों से संबंधों के अहम पहलुओं पर रोशनी डाली। खास तौर पर अमेरिका और कनाडा के साथ संबंधों से जुड़े हिस्से ने अगर लोगों का ध्यान ज्यादा खींचा तो यह बेवजह नहीं है। पिछले कुछ समय में खासकर निज्जर हत्याकांड और कथित पन्नू हत्या साजिश प्रकरण की वजह से तीनों देशों के रिश्तों को मिलाकर देखने का एक ट्रेंड विकसित हो रहा है। इस लिहाज से देखें तो यह बातचीत बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि कनाडा में हुई खालिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता की हत्या से यह सारा विवाद शुरू हुआ, जो एक अन्य खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की अमेरिका में रची गई कथित साजिश तक पहुंचा। निज्जर हत्याकांड की जांच पर जोर देने से कई लोग ऐसा मानते हैं कि अमेरिका ने उस मसले पर कनाडा के रुख का समर्थन किया। इसके बाद पन्नू की हत्या की कथित साजिश वाले मामले में भी अमेरिका की यही भूमिका रही। इससे कुछ हलकों में ऐसी धारणा बनी या बनाई गई कि भारत ने कनाडा और अमेरिका के मामलों में अलग-अलग तरह का रवैया अपनाया। हालांकि भारत की अपनी नीति इन दोनों ही मामलों में बिल्कुल स्पष्ट रही है।

तथ्य यह है कि कनाडा ने न केवल निज्जर हत्याकांड में बल्कि इससे पहले भी कई मौकों पर द्विपक्षीय संबंधों में गैर-जिम्मेदार रवैया अपनाया है। देश में चला किसान आंदोलन हर लिहाज से अंदरूनी मामला था, लेकिन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो दुनिया के इकलौते पीएम थे जिन्होंने इस मसले पर खुलकर बयानबाजी की। यही नहीं, कनाडा सरकार भारत में अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को लंबे समय से अभिव्यक्ति की आजादी की ढाल देती रही है।

निज्जर हत्याकांड में जिस तरह कनाडा सरकार ने सार्वजनिक बयानबाजी से ही शुरुआत की और बाद में भी अपने आरोपों को तथ्यों से पुष्ट नहीं किया, उसके एकदम विपरीत अमेरिका ने न केवल सार्वजनिक बयानबाजी से परहेज किया बल्कि भारत के साथ तमाम सूचनाएं और सबूत साझा करते हुए कहा कि उनकी इस मामले में एक राय बन रही है और भारत भी अपनी तरफ से इस मामले को देखे।

अमेरिका में उभर रही राय सही है या नहीं, यह तो कोर्ट की प्रक्रिया से तय होगा। लेकिन वहां की सरकार हर कदम पर भारत के हितों को लेकर संवेदनशीलता दिखाती रही है। वहां अलगावादी-आतंकवादी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ भी नहीं दी जा रही। यही वजह है कि इस प्रकरण में उभरी असहमति के बावजूद दोनों देशों के रिश्ते न केवल अच्छे बने हुए हैं बल्कि इनमें सुधार की प्रक्रिया भी जारी है। जाहिर है, परस्पर विश्वास और आपसी हितों के प्रति सम्मान सुनिश्चित करके ही रिश्तों को ऊंचाई दी जा सकती है। (आरएनएस)

अधिकारी ग्राउंड पर उतरकर करें कार्यः जोशी

संवाददाता

देहरादून। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सचिव कृषि सहित जिला कृषि उद्यान अधिकारियों तक ग्राउंड पर उतरकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

आज यहां प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सचिव कृषि सहित जिला कृषि उद्यान अधि कारियों तक ग्राउंड पर उतरकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।कृषि मंत्री ने अधिकारियों को कृषि एवं उद्यान में वित्तीय वर्ष 2023-24 के आवंटित बजट को ससमय खर्च करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विभाग द्वारा स्वीकृत बजट को समय पर खर्च न करने पर सचिव कृषि को अधि कारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। कृषि मंत्री गणेश गणेश जोशी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं के क्रियान्वयन में लेटलतीफी करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाएगी। समीक्षा के दौरान विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को केंद्र पोषित एवं राज्य पोषित योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को किसानों को पौध,बीज, खाद, कृषि उपकरण दवाइयां इत्यादि समय पर उपलब्ध किया जाए। उन्होंने कहा कौन सी फसल का बीज कब किसानों को मिलना चाहिए तथा कौन सी खाद, दवाइयां काशतकारों को दी जानी है। मंत्री ने टेंडरिंग प्रक्रिया समय पर किया जाए तथा कैलेंडर के अनुरूप बागवानों कृषकों को समय पर उपलब्ध कराने के अधिकारियों को ठोस निर्देश दिए गए। जोशी ने बागवानों तथा कृषकों के लिए ढूलान हेतु रोप-वे निर्माण की धीमी गति पर अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए शीघ्र रोप-वे निर्माण के कार्य किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं का बजट ससमय खर्च किया जाए। कृषि मंत्री ने कहा मिलेट्स (श्रीअन्न) की अधिक मांग है।

उन्होंने कहा प्रदेश में मिलेट्स की अपार संभावनाएं है। मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ाने तथा मिलेट्स के प्रति लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। मंत्री ने कहा मिलेट्स का उत्पादन अधिक से अधिक हो तथा मिलेट्स के सभी उत्पादों का एमएसपी तैयार करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा मिलेट्स के समस्त उत्पादों के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति बनाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को बारिश बर्फबारी न होने के दृष्टिगत कृषकों बागवानों के नुकसान की भरपाई से संबंधित समय पर सभी विभागीय प्रक्रिया पूर्ण की जाए। इस अवसर पर सचिव कृषि विनोद कुमार सुमन, कृषि महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, निदेशक कृषि केसी पाठक, आर. के सिंह, महेंद्र पाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाईन पैसे कमाने का लालच देकर ठगे 7 लाख, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। आनलाइन पैसे कमाने का लालच देकर लगभग सात लाख रूपये की ठगी करने वाले दो शातिरों को पुलिस ने मुम्बई से गिरफ्तार कर लिया है जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष 7 जुलाई को मयंक सामन्त निवासी टकाना, पिथौरागढ द्वारा साईबर सैल पिथौरागढ़ में तहरीर दी गयी थी कि उनको एक मैसेज आया कि आप घर मे ऑनलाइन काम करोगे, जिसमें क्लिक कर ओपन करने पर बताया गया था कि ट्रेनिग कैसे करनी है, और ऑनलाईन काम कैसे करना है। उसके बाद उसके द्वारा 200 रूपये एक व्यक्ति के खाते मे जमा किये गये तत्पश्चात, कमीशन के तौर पर 90 रूपये उनके खाते मे आये उसके बाद उसे ट्रेलीग्राम लिंक भेजा गया। बताया कि वह ठगों के जाल में फंसते गये तथा अलग-अलग नम्बरों पर कुल 664663 रूपये की ठगी का शिकार हो गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने कोतवाली पिथौरागढ़ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। ठगों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा साईबर सैल की मदद से दो आरोपियों रमेश प्रसाद पुत्र नरोत्तम गुप्ता निवासी महाणारूल्तानगर कांदीवली वेस्ट थाना चारकोप, मुम्बई व भरत सिंह पुत्र लेहरू सिंह निवासी दूध तलाई थाना कपासन जिला चित्चौड़गढ़ राजस्थान, हाल निवासी गोवर्धनदास बिल्डिंग नियर सेन्टर प्लाजा थाना विठ्ठलदास मार्ग मुम्बई को बीते रोज थाना चारकोट व थाना मित्थलवाई पटेल मार्ग मुम्बई से गिरफ्तार किया गया है।

3 माह से गुमशुदा 2 वर्षीय मासूम मिला, परिवार में खुशी की लहर

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। तीन माह से गुमशुदा चल रहे 2 वर्षीय मासूम के मिल जाने से परिजनों में खुशी की लहर है। मेरठ निवासी यह मासूम कलियर मेले के दौरान परिजनों से बिछड़ गया था। जिसकी तलाश में पुलिस रात दिन एक किये हुए थी। यह मासूम देहरादून निवासी एक भाई बहन को मिला था जिसके परिजन न मिलने पर वह अपने साथ उसे देहरादून ले गये थे।

बता दें कि बीते वर्ष 28 सितम्बर को उर्स मेले के दौरान थाना कलियर क्षेत्रांतर्गत एक दो वर्ष का बच्चा रिहान पुत्र असरफ निवासी परीक्षितगढ़ मेरठ खो गया था, जो कि सीसीटीवी फुटेज में स्वयं पैदल-पैदल 100 मीटर तक चलता हुआ दिखाई दिया, किंतु अत्यधिक भीड़ होने के कारण आगे नहीं दिख पाया, जिसके संबंध में थाना कलियर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया, उक्त बच्चे की तलाश हेतु डीसीआरबी के मध्यम से प्रयास किए गए, थाना क्षेत्र में 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरा चैक किए, बच्चे के संबंध में आस पास तथा रेलवे स्टेशन बस स्टेशन के आस पास पतारसी सुरागरसी की गई, तथा भीड़ भाड़ वाले महत्त्वपूर्ण स्थानों पर पोस्टर चस्पा किए गए व तलाश प्रचलित थी।

सोशल मीडिया पर पोस्टर/इस्तहार देखकर के सौदागर सलीम खान निवासी क्लीमेंटटाउन देहरादून द्वारा विवेचक एसआई हेमदत्त भारद्वाज को अवगत कराया कि पोस्टर से संबंधित बच्चा उनके पास है, घटना के दिन उक्त बच्चा पैदल पैदल पीपल चौक के पास पहुंचा तो अनवरी खातून और सौदागर खान नामक भाई बहन ने बच्चे की दारुण दशा (अत्यधिक रोने तथा कपड़ों में मल मूत्र त्याग) को देखते हुए बच्चे को अपने पास ले लिया और जहां से खोया पाया केंद्र में ले जाकर अनाउंसमेंट करवाया किंतु अत्यधिक भीड़ के कारण कोई परिजन नही मिला, चूंकि बच्चे की स्तिथि काफी दयनीय थी तो उक्त लोगों द्वारा बच्चे के कपड़े आदि बदल कर, दूध पिलाकर परिजनों की तलाश की किंतु कोई नही मिला तो बच्चे को अपने घर क्लेमेंनटाउन देहरादून ले आए, तत्पश्चात उनके द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से, समाचार पत्र में छपवाकर परिजनों की ढूंढ खोज के प्रयास किए जा रहे थे, दिनांक 14 जनवरी को सौदागर के किसी परिचित द्वारा कलियर में बच्चे का पोस्टर देखकर उन्हे सूचित किया, जिस पर सौदागर सलीम द्वारा पोस्टर पर अंकित विवेचक एसआई हेमदत्त भारद्वाज को सूचित किया गया, पुलिस द्वारा बच्चे को देहरादून से बरामद कर, परिजनों को सूचित कर, सीडब्लूसी देहरादून में पेश कर उक्त सौदागर सलीम खान, अनवरी खातून से विस्तृत पूछताछ कर, बच्चे को परिजनों के सुपुर्द किया गया। 3 महीने बाद अपने बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों द्वारा पुलिस का आभार प्रकट किया गया।

कांग्रेस समझौता मूड में, लचीली!

अगले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अपने हितों से समझौता करने को तैयार है। सीट बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत में कांग्रेस ने बहुत लचीला रुख दिखाया है। कांग्रेस ने सभी सहयोगी पार्टियों को मैसेज दिया है कि वह सीटों की संख्या पर नहीं अड़ेगी। असल में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रबंधन और रणनीति बनाने का काम देख रहे सुनील कनुगोलू की टीम कांग्रेस के लिए सर्वेक्षण कर रही है और ऐसी सीटों की पहचान कर रही है, जहां वह ज्यादा आसानी से लड़ और जीत सकती है। ध्यान रहे कांग्रेस चार सौ से ज्यादा सीटों पर लड़ती रही है और पिछली बार भी 421 सीटों पर लड़ी थी। उससे पहले 2014 के चुनाव में तो 464 सीटों पर लड़ी थी लेकिन सिर्फ 44 सीट जीत पाई थी। दूसरे चुनाव में वह 421 सीटों पर लड़ी, जिसमें से 52 पर जीती और 209 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही। इस आंकड़े को ध्यान में रख कर सुनील कनुगोलू की टीम ने ऐसी सीटों पर फोकस करने की सलाह दी है, जिन पर कांग्रेस जीत सकती है। कांग्रेस के उम्मीदवार जिन सीटों पर तीसरे या चौथे स्थान पर रहे थे उनको छोड़ दिया है। तभी पिछले दिनों कांग्रेस नेताओं की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 255 सीटों पर फोकस करने की बात कही। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि कांग्रेस सिर्फ 255 सीटों पर लड़ेगी। वह इसके अलावा एक सौ और सीटों पर लड़ सकती है। लेकिन उसका जोर इन 255 सीटों पर होगा। बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने 375 सीटों की मांग की है। इसमें से 291 सीटें तो ऐसी हैं, जो कांग्रेस और भाजपा के सीधे मुकाबले वाली हैं और 85 सीटें उन राज्यों में हैं, जहां प्रादेशिक क्षत्रप मजबूत हैं और कांग्रेस उनकी सहयोगी पार्टी है। हालांकि कांग्रेस ने भले 375 सीटों पर लड़ने की बात कही है लेकिन खड़गे की बात से स्पष्ट है कि पार्टी 255 से 290 के बीच सीटें अपने लिए अनुकूल मान रही है और उन्हीं पर लड़ने की तैयारी कर रही है। तभी ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस का तालमेल ऐसी पार्टियों से भी हो जाएगा, जिनके साथ सीटों की एडजस्टमेंट में मुश्किल आ रही है। कांग्रेस पुरानी सहयोगी पार्टियों के साथ साथ नई सहयोगियों को जोड़ने के लिए भी अपनी कुछ सीटें छोड़ने को तैयार है।

कांग्रेस हर हाल में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र में तालमेल करना चाहती है। इन चारों राज्यों की प्रादेशिक पार्टियों के साथ कांग्रेस का पुराना तालमेल रहा है और कांग्रेस पहले भी उनके साथ चुनाव लड़ चुकी है। इसलिए भले कांग्रेस ज्यादा सीटों की मांग कर रही है लेकिन वह प्रादेशिक पार्टियों के हिसाब से सीटों की एडजस्टमेंट के लिए तैयार है। नई पार्टियों में शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट है, जिसके साथ कांग्रेस को पहली बार चुनाव लड़ना है और आम आदमी पार्टी के साथ भी तालमेल होता है तो कांग्रेस पहली बार चुनाव लड़ेगी। अगले लोकसभा चुनाव को करो या मरो वाला चुनाव मान रही कांग्रेस दोनों के साथ तालमेल को तैयार है।(आरएनएस)

आप और कांग्रेस का हो जाएगा तालमेल

कांग्रेस पार्टी के नेताओं का एक वर्ग ऐसा है, जो मान रहे हैं कि पार्टी को किसी हाल में आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल नहीं करना चाहिए। उनका तर्क है कि कांग्रेस ने 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी को समर्थन देकर उसकी सरकार बनवाई थी इसका नतीजा यह हुआ है कि 2015 के चुनाव में कांग्रेस का पूरा वोट आप को ट्रांसफर हो गया और कांग्रेस साफ हो गई। पिछले दो लोकसभा और दो विधानसभा चुनावों में दिल्ली में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। इस आधार पर कुछ नेताओं का मानना है कि कांग्रेस का विकल्प बनने की कोशिश कर रही आप से तालमेल आत्मघाती हो सकता है।

लेकिन दूसरी ओर ज्यादातर नेता तालमेल के पक्ष में हैं। वे पंजाब, गोवा और गुजरात की मिसाल दे रहे हैं, जहां कांग्रेस ने आप को समर्थन नहीं दिया था फिर भी वह काफी सफल रही। पंजाब में तो उसने 117 में से 92 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बनाया है। गोवा में भी वह दो सीट जीत गई और गुजरात में उसे भले पांच ही सीटें मिलीं लेकिन उसने कांग्रेस के 13 फीसदी वोट काट लिए। इस आधार पर तालमेल का समर्थन करने वाले नेताओं का कहना है कि कांग्रेस को सबसे पहले यह चिंता करनी चाहिए कि वह कैसे मजबूत होगी। अगर तालमेल करने से लोकसभा में कांग्रेस की सीटें बढ़ती हैं तो उस पर ध्यान देना चाहिए।

सो, माना जा रहा है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच तालमेल हो जाएगा। दोनों के बीच दो दौर की बातचीत हुई है और दिल्ली व पंजाब दोनों को लेकर सकारात्मक नतीजे की संभावना जताई जा रही है। दूसरे दौर की बातचीत में राघव चड्ढा भी शामिल हुए, जिसका मतलब है कि पंजाब को लेकर बात आगे बढ़ी है। कांग्रेस दोनों राज्यों में बराबर सीटों पर लड़ने को तैयार है। दोनों राज्यों की 20 सीटें हैं और दोनों पार्टियां 10-10 सीटें लड़ सकती हैं। आम आदमी पार्टी गोवा में भी सीट मांग रही है। लेकिन वहां शायद कांग्रेस दोनों सीटों पर लड़ेगी। लेकिन वह गुजरात और हरियाणा में आम आदमी पार्टी को कुछ सीटें दे सकती है। अगली बातचीत में सीटों की संख्या पर सहमति बन सकती है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पत्तागोभी खाने से पहले बरतें सावधानी !

क्या आप भी पत्तागोभी खाना पसंद करते हैं। अगर हां तो सावधान हो जाइए, क्योंकि इसमें पाए जाने वाले कीड़े दिमाग को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। पत्तागोभी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसकी सब्जी, सलाद और कई चीजें बनाई जाती हैं। लेकिन इसके कई साइड इफेक्ट्स भी हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है पत्तागोभी में पाया जाने वाला छोटा कीड़ा ब्रेन को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे मिर्गी जैसी बीमारी का भी खतरा हो सकता है। इसलिए अगर पत्तागोभी खा रहे हैं तो सावधान हो जाइए।

पत्तागोभी खाने से पहले थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। इसमें कीड़े भी हो सकते हैं, जो शरीर में चले जाएं तो मिर्गी जैसी खतरनाक बीमारियों को जन्म दे सकते हैं।

पत्तागोभी में कीड़े कहां से आते हैं

प्लानेटनेचर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पत्तागोभी के कीड़े (पियरिस रैपे) तितलियों के जरिए इसमें पहुंचते हैं। एशिया, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में हुए अध्ययनों में पाया गया है कि सफेद तितलियां इन पत्तों के नीचे अंडे देती हैं। इन्हीं से कीड़ों का खतरा हो सकता है। पत्तागोभी के में कई तरह के कीड़े होते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में पियरिस रैपे, कैबेज लूपर और डायमंडबैक मोथ सबसे ज्यादा देने के मिलते हैं।

क्या पत्तागोभी पकाने पर भी कीड़े जिंदा रहते हैं

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बंदगोभी पकाने के बावजूद इसका कीड़ा नहीं मरता है। इसे मारने के लिए पत्तागोभी को गुनगुने पानी में डालकर थोड़ा नमक डाल दें। इसके बाद उसे करीब 30 मिनट तक छोड़ दें। बाद में उस पानी को फेंककर सब्जियों को रगड़कर कम से कम दो बार धोकर खाने में इस्तेमाल करें। यह कीड़ों से बचा सकता है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि पत्तागोभी खाना बंद नहीं करना चाहिए लेकिन उसके इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह साफ जरूर कर लेना चाहिए। पत्तागोभी के अलावा जमीन के नीचे उगने वाली कोई भी सब्जी खाने से पहले अच्छी तरह साफ करनी चाहिए। क्योंकि गंदे पानी में रहने या संपर्क में आने की वजह से इनमें कीड़े आ सकते हैं, जो कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। (आरएनएस)

सर्दियों में नहाने से पहले कर लिया ये काम, कभी नहीं फटेंगे होंठ - गाल

हमारी त्वचा को सर्दियों का मौसम बिल्कुल भी रास नहीं आता है। सर्द हवाएं त्वचा को रूखा और बेजान बना देती है। देखभाल में कमी होने से होंठ, गाल और हाथ-पैर फठने लगते हैं। कई बार तो रूखापन ज्यादा बढने से खिंचाव अधिक आ जाता है, जिसकी वजह से खून तक रिसने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि स्कीन को अच्छी तरह मॉइश्चराइज करके रखा जाए। बाजार में ढेरों मॉइश्चराइजर मिलते हैं, जिन्हें लगा सकते हैं लेकिन ये परमानेंट इलाज नहीं होता है। ऐसे में अगर नहाने से पहले एक काम कर लिया जाए तो कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा और होंठ, गाल और हाथ कभी नहीं फटेंगे। आइए जानते हैं इस उपाय के बारे में।।।

आयुर्वेद कहता है कि नहाने के पहले हर किसी को अपने शरीर को मॉइश्चराइज करना चाहिए। सर्दियों में शॉवर लेने के पहले तेल लगाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। इससे त्वचा में लचीलापन आता है और सर्दियों में त्वचा की सिकुड़न कम होती है। नहाने के पहले नारियल या तिल के तेल से शरीर की अच्छी तरह मसाज करें और नहाने के बाद शरीर को अच्छी तरह पोंछ लें। ऐसा करने से त्वचा को नेचुरल तरीके से मॉइश्चर मिल जाता है और एक्स्ट्रा तेल तौलिए से शरीर पोंछने पर साफ हो जाएगा।

नहाने से पहले तेल लगाने के 5 फायदे

1. सर्दियों में शरीर पर तेल लगाने से ड्राइ स्किन की समस्या से छुटकारा मिलता है और स्किन को पोषण मिलता है। शरीर के टॉक्सिन्स बाहर आ जाते हैं और स्किन हेल्दी होती है।

2. नहाने से पहले शरीर का तेल से मसाज करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनता है और मसल्स को काफी आराम मिलता है।

3. नहाने से पहले चेहरे पर तेल लगाने से एजिंग से छुटकारा मिल सकती है। इससे चेहरे पर कसावट आती है और झुर्रियां खत्म होती हैं।

4. ठंड के मौसम में नहाने से पहले शरीर पर तेल लगाने से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं और थकान दूर हो जाती है।

5. नहाने से पहले शरीर पर तेल लगाने से जोड़ो में दर्द और सूजन की समस्या से राहत मिल सकती है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -066

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

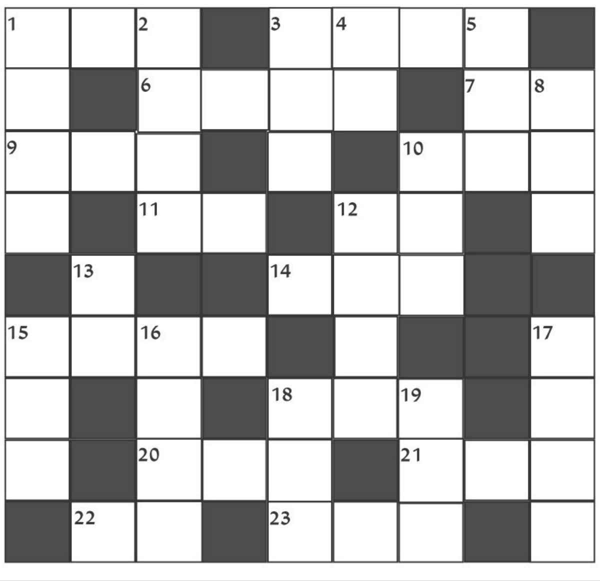

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

ज	ल	3	आ	वा	जा	ही	6	4
मा		खू	ब	8	दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग	10	ल	क्ष्य
12	न	ख		त	र	ल		
12	वी	रा	न		15	च	ट	क
17	र	ब	18	आ	ज	क	ल	
	17	21	आ	ग	19	दा	ना	
23	अ	ग	र	म	ग	र	23	क्रो
भा	भी		ती	न	26		व	ध

जैस्मीन भसीन ने वॉर्निंग 2 के लिए पहली बार पंजाबी में किया डब

एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन वॉर्निंग 2 के लिए तैयारी कर रही हैं और उन्होंने पहली बार खुद पंजाबी में डब किया है। इस बारे में बात करते हुए जैस्मीन ने कहा, इससे पहले हनीमून में किसी और ने मेरे लिए डब किया था, इस बार मैं यह करना चाहती थी। सौभाग्य से, मैंने पूरी फिल्म में डब किया है। मैं पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में और अधिक प्रस्तावों की तलाश में हूं, इसलिए मैं अपनी बोली जाने वाली पंजाबी स्किल पर भी काम कर रही हूं। लेकिन, वार्निंग 2 के लिए डबिंग का यह एक्सपीरियंस बहुत अच्छा था। ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म में जैस्मीन एक दिलचस्प अवतार में नजर आएंगी, लेकिन, उनकी भूमिका के बारे में अधिक जानकारी गुप्त रखी गई है। वॉर्निंग 2 दो फरवरी को रिलीज होने वाली है।

कंगना के पास बिलकिस बानो पर फिल्म के लिए स्क्रिप्ट तैयार, ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सपोर्ट करने से किया इनकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कहा है कि उनके पास बिलकिस बानो मामले पर आधारित एक फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार है, लेकिन नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से सपोर्ट की कमी के चलते वह ऐसा नहीं कर सकीं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान पांच महीने की गर्भवती बिलकिस बानो के साथ बलात्कार करने और उसके परिवार की हत्या करने वाले 11 दोषियों की रिहाई को खारिज कर दिया था। एक्स पर एक यूजर ने कंगना से बिलकिस बानो पर फिल्म बनाने के बारे में पूछा। यूजर ने पूछा था, डियर कंगना रनौत, महिला सशक्तीकरण के प्रति आपका जुनून बेहद उत्साहित करने वाला है। क्या आप एक सशक्त फिल्म के साथ बिलकिस बानो की कहानी बताना चाहेंगी? क्या आप बिलकिस बानो, नारीवाद या कम से कम मानवता के लिए ऐसा कर सकती हैं? उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से ऐसी फिल्म बनाना चाहती थीं, लेकिन, सपोर्ट की कमी के कारण वह फिल्म नहीं बना पाईं। यूजर को जवाब देते हुए उन्होंने लिखा, मैं ये कहानी बनाना चाहती हूं, मेरे पास स्क्रिप्ट तैयार है, मैंने उस पर तीन साल तक रिसर्च किया है और काम भी किया है। लेकिन, नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो और अन्य स्टूडियो ने मुझे लिखा कि उनके पास क्लियर गाइडलाइन्स हैं कि वे तथाकथित राजनीति से प्रेरित फिल्में नहीं बनाते हैं। जियो सिनेमा ने कहा कि हम कंगना के साथ काम नहीं करते, क्योंकि, वह बीजेपी का समर्थन करती हैं और जी विलय के दौर से गुजर रहा है। मेरे पास क्या ऑप्शन हैं? वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही इमरजेंसी में नजर आएंगी, जिसमें वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं।

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ईद पर बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज के लिए तैयार

एक्शन हीरो अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अपनी अपकमिंग फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने ईद तक उल्टी गिनती शुरू कर दी है। अक्षय और टाइगर ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नई तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों आर्मी ग्रीन टी-शर्ट के साथ कैमोफ्लाज पैंट पहने हुए एक हेलिकॉप्टर के सामने पोज देते हुए दिखे। कैप्शन के लिए उन्होंने लिखा- बड़े और छोटे से मिलने का समय हो गया है और कम... बस 3 महीने। बड़े मियां छोटे मियां पूजा एंटरटेनमेंट और एएजेड फिल्म्स द्वारा निर्मित और ब्लॉकबस्टर निर्देशक अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित है। फिल्म, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं, अपने विपरीत व्यक्तित्व और मनमौजी तरीकों वाले दो व्यक्तियों के बारे में है, बड़े मियां और छोटे मियां को अपने मतभेदों को दूर करने और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए एक साथ काम करना होगा।

इस साल कई किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करूँगा : आयुष्मान

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने कहा कि वह कई शैलियों के साथ एक्सपेरिमेंट करेंगे और 2024 में अपने दर्शकों के लिए थियेट्रिकल हीरो के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करेंगे।

आयुष्मान ने कहा, मैं 2024 में कई शैलियों के साथ एक्सपेरिमेंट करने जा रहा हूं। मेरी फिल्मों की सूची हमेशा की तरह बेहद विविध होगी और यह पूरी तरह से दर्शकों को गुणवत्तापूर्ण थियेट्रिकल अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित होगी। मैं वर्तमान में कुछ दिलचस्प फिल्में लॉक कर रहा हूं, जिन्हें लोग सिनेमाघरों में पूरे परिवार के साथ देखना पसंद करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, एक एंटरटेनर के रूप में कम्युनिटी को बेहतर एक्सपीरियंस प्रदान करना हमेशा मेरी प्राथमिकता रही है। मेरी फिल्मों का अगला सेट एक दर्शक के रूप में मेरी थियेट्रिकल कंटेंट की पसंद को रिफ्लेक्ट करेगा। मैंने हमेशा उन मूवीज को ध्यान में रखते हुए अपनी फिल्में चुनी हैं जिन्हें मैं सिनेमाघरों में देखना पसंद करूंगा।

आयुष्मान के पास पहले से ही कई प्रोजेक्ट हैं लेकिन उन्होंने विस्तार से जानकारी नहीं दी है क्योंकि इन फिल्मों की घोषणा व्यक्तिगत रूप से करने की योजना है।

उन्होंने कहा, 2024 में मैं और भी अधिक अपने मन की बात सुनूंगा।

मैं आप सभी के साथ अपनी लाइनअप साझा करने के लिए रोमांचित हूं और इसका खुलासा उचित समय पर किया जाएगा क्योंकि इनमें से प्रत्येक फिल्म एक बड़ी घोषणा की हकदार है।

रेड 2 में अजय देवगन के साथ नजर आएंगी वाणी कपूर

बॉलीवुड एक्टर वाणी कपूर रेड 2 में अजय देवगन के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

एक्ट्रेस को शुद्ध देसी रोमांस, चंडीगढ़ करे आशिकी और वॉर जैसी फिल्मों में उनके एक्टिंग के लिए जाना जाता है।

यह फिल्म 2018 की फिल्म रेड का अगला सील है। इसमें निर्देशक राजकुमार गुप्ता और निर्माता भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार एक साथ नजर आएंगे।

फिल्म की बड़े पैमाने पर शूटिंग मुंबई, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में होने वाली है।

रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। यह फिल्म गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत की गई है और पैनोरमा स्टूडियो प्रोडक्शन है।

यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ऋषभ शेट्टी की कांतारा - चैप्टर 1 पंजुरली दैवा, गुलिगा दैवा देवताओं का बताएगी इतिहास

एक्टर-फिल्म निर्माता ऋषभ शेट्टी स्टारर कांतारा - चैप्टर 1 पंजुरली दैवा, गुलिगा दैवा देवताओं के इतिहास का वर्णन करेगा।

अनाउंसमेंट वीडियो जारी होने के बाद से फिल्म की कहानी और ऋषभ शेट्टी के किरदार को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

फिल्म से रोमांचक विवरण का खुलासा करते हुए एक सूत्र ने कहा, फिल्म प्राचीन काल से प्रेरणा लेती है और पंजुरली दैवा और गुलिगा दैवा देवताओं की उत्पत्ति के बारे में कहानी बताती है। उनकी उत्पत्ति पर भी प्रकाश डालती है।

सूत्र ने आगे कहा- कांतारा ने पंजुरली दैवा के बारे में जानकारी दी। प्रीक्वल दर्शकों को पंजुरली दैवा और गुलिगा दैवा दिव्यताओं के समावेश के साथ एक अनूठा सिनेमाई अनुभव देगा।

इस बीच, होम्बले फिल्म्स के पास एक दिलचस्प लाइन-अप है जिसमें बघीरा और कई अन्य शामिल हैं।

फिटनेस फ्रीक मलाइका अरोड़ा ने शेयर की वर्कआउट फोटो

मॉडल और एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा फिटनेस फ्रीक हैं। उन्होंने सोमवार को अपने सुबह के वर्कआउट की एक झलक दिखाई।

इंस्टाग्राम पर 18.8 मिलियन फॉलोअर्स वाली मलाइका ने स्टोरीज सेक्शन में एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने घर में वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। डांसर, जो छैया छैया गाने में अपने परफॉर्मेंस के लिए सबसे यादा जानी जाती हैं, को ब्लैक शॉर्ट्स और मैचिंग टी-शर्ट पहने देखा जा सकता है।

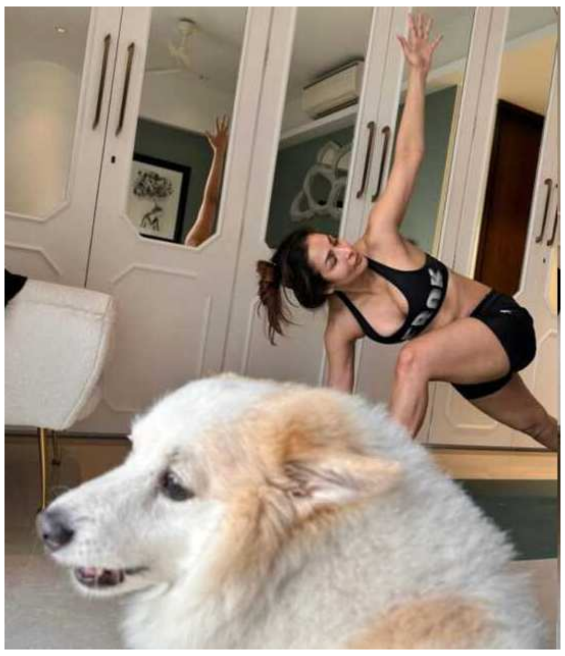

तस्वीर में उनके प्यारे दोस्त - पालतू डॉगी कैस्पर की एक प्यारी झलक भी दिखाई दी।

पोस्ट पर एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया, मेरा दिन शुरू करने का सबसे अच्छा तरीका, माई वीक अहेड। वर्कफ्रंट की बात करें तो, वह वर्तमान में सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा सीजन 11 में जज के रूप में नजर आ रही हैं। अन्य जज अरशद वारसी और फराह खान हैं। इसे गौहर खान और ऋत्विक धनजानी होस्ट करते हैं।

अयोध्या पर कांग्रेस की दयनीय राजनीति

अजीत द्विवेदी

व्यापक रूप से धर्म और खासतौर से अयोध्या पर कांग्रेस की दुविधा चिरंतन है। वह कभी खत्म नहीं होती है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी और पीवी नरसिंह राव से लेकर राहुल गांधी तक कांग्रेस की यह दुविधा कायम है और समय के साथ यह दुविधा कांग्रेस को लगातार कमजोर करती जा रही है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि कांग्रेस की इस दुविधा ने भाजपा को मजबूत होने में सबसे ज्यादा मदद की है। भाजपा जब लोकसभा की दो सीटों के साथ सबसे कमजोर स्थिति में थी तभी दुविधा के शिकार राजीव गांधी ने अयोध्या में राममंदिर का ताला खुलवाया था। वे शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटने की ऐतिहासिक गलती कर चुके थे और उसकी भरपाई के लिए राम मंदिर का ताला खुलवाया था।

पर उसके बाद कांग्रेस को न माया मिली और न राम। अब राहुल गांधी की कमान वाली कांग्रेस ने फैसला किया है कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खडके और अधीर रंजन चौधरी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम को 'भाजपा और आरएसएस की राजनीतिक परियोजना' बताते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आमंत्रण को 'ससम्मान अस्वीकार' कर दिया है।

कांग्रेस को यह निमंत्रण दिसंबर में मिला था और इसे अस्वीकार करने का फैसला करने में उसने 2० दिन का समय लिया। जाहिर है कि किसी भी वैचारिक या राजनीतिक मसले पर फैसला लेने में इतना समय तभी लगता है, जब स्पष्टता न हो। कांग्रेस की वैचारिक अस्पष्टता कई और तरह से दिखी है। जैसे अक्टूबर में जब ट्रस्ट के पदाधिकारी प्रधानमंत्री से मिले और उनको रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने का न्योता दिया तब कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद ने कहा था कि 'न्योता सिर्फ एक पार्टी को क्यों दिया जा रहा है'। उन्होंने यह भी कहा था कि 'मंदिर किसी एक पार्टी का नहीं है'। उनके कहने का मतलब यह था कि कांग्रेस और दूसरी पार्टियों को भी न्योता मिलना चाहिए। हो सकता है कि यह कांग्रेस की आधिकारिक राय न हो लेकिन खुर्शीद की बात का किसी ने विरोध नहीं किया।

इसके एक महीने बाद कांग्रेस को न्योता मिला तो वह 2० दिन तक फैसला रोके रही। अब जबकि फैसला आ गया है तो पार्टी के अंदर ही इस पर सवाल उठ रहे हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे अर्जुन मोडवाडिया ने कहा कि 'कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय से बचना चाहिए था'। हिमाचल प्रदेश सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि उन्होंने पार्टी आलाकमान को बता दिया है कि वे अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में जाएंगे।

कांग्रेस में अगर इस मसले पर वैचारिक स्पष्टता होती तो वह समय से पहले एक स्पष्ट रुख अख्तियार करती। कांग्रेस में अगर कोई भी दूरदृष्टि वाला नेता होता तो उसको अंदाजा होता कि इस मामले में कांग्रेस के इतिहास को देखते हुए भाजपा उसे उलझाने की कोशिश करेगी। जो कैच 22 सिचुएशन 2० दिसंबर को न्योता मिलने पर बना उसे कांग्रेस के नेता उसी दिन भांप लेते, जिस दिन लोकसभा चुनाव से पहले 'अर्धनिर्मित मंदिर' के उद्घाटन की तारीख तय हुई। अगर उस दिन नहीं तो जिस दिन नरेंद्र मोदी को न्योता मिला उस दिन भांप जाना चाहिए था कि कांग्रेस को भी न्योता मिलेगा और उसी समय अपनी रणनीति तय कर लेनी चाहिए थी। अगर कांग्रेस उस दिन से यह नैरेटिव बनाती कि अधूरे मंदिर का उद्घाटन हो रहा है और यह शास्त्र सम्मत नहीं है या भाजपा इसका राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है तो हो सकता है कि वह समाज के बड़े तबके को यकीन दिलाने में कामयाब हो जाती। तब यह भी हो सकता था कि कांग्रेस को न्योता नहीं भेजा जाता और उसे ऐसी स्थिति में नहीं फंसना पड़ता। लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस हर बार भाजपा के बिछाए जाल में फंस जाती है।

भाजपा और नरेंद्र मोदी के जाल में फंस कर ही राहुल गांधी कभी जनेउधारी ब्राह्मण बन जाते हैं तो कभी शिवभक्त बन जाते हैं। जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी कैमरे पर अपनी भक्ति करते हैं उसी तरह राहुल और प्रियंका की भक्ति भी कैमरे पर ही दिखती है। बहरहाल, कांग्रेस या तो जाल देख नहीं पाती है या उससे बचने के उपाय नहीं सोच पाती है। मैकियावेली ने शासक के गुण बताते हुए कहा था कि शासक को सिंह की तरह बहादुर होने के साथ साथ लोमड़ी की तरह चालाक होना चाहिए ताकि वह शिकारी द्वारा बिछाए गए जाल को देख या समझ ले। सार्वजनिक जीवन में हर व्यक्ति के अंदर यह गुण होना अनिवार्य है।

बहरहाल, कांग्रेस ने पहले रणनीति नहीं तय की और न नैरेटिव को अपने हिसाब से दिशा देने की कोई पहल की। जब पूरे देश में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का माहौल बन गया और मीडिया में 24 घंटे इस मुद्दे की चर्चा होने लगी तब जाकर कांग्रेस ने न्योता नामंजूर किया। इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा का यह नैरेटिव स्थापित हो गया कि कांग्रेस हमेशा राम की विरोधी रही है और सबको पहले से पता था कि कांग्रेस के नेता रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जाएंगे। इस बात को लोग तुरंत इसलिए स्वीकार कर लेंगे क्योंकि सोनिया व राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा में से कोई भी आज तक अयोध्या में रामलला के दर्शन करने नहीं गया है। राहुल और प्रियंका तो पिछले चुनाव में अयोध्या और फैजाबाद तक गए लेकिन रामलला के दर्शन करने नहीं गए। भाजपा को यह इतिहास पता था इसलिए उसने कांग्रेस को ऐसी स्थिति में डाला, जहां से कांग्रेस अपना कुछ नुकसान करके ही निकल पाती।

इस बार कांग्रेस के पास एक मौका था कि वह भाजपा को चौंका देती। अगर कांग्रेस के नेता अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चले जाते तो भाजपा को अपना नैरेटिव बदलना पड़ता। वह फिर कांग्रेस को रामद्रोही बताने की बजाय कहती कि मजबूरी में या भाजपा के दबाव में कांग्रेस रामलला को स्वीकार कर रही है। इससे कांग्रेस को अगर कोई फायदा नहीं होता तो नुकसान भी नहीं होता। ध्यान रहे कांग्रेस को पिछले चुनाव में भाजपा को मिले 22 करोड़ वोट में से वोट नहीं तोड़ना है, बल्कि उसके अलावा जो 4० करोड़ से ज्यादा वोट भाजपा के खिलाफ गए थे उनको एकजुट करना है। भाजपा के खिलाफ पड़े वोट का बड़ा हिस्सा हिंदू मतदाताओं का ही है। उसमें कांग्रेस के प्रति अगर पहले से कोई दुराग्रह है तो वह रामलला की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा में जाने से खत्म होता या उसकी तीव्रता कम होती। इसके साथ ही कांग्रेस जो अपनी दुविधा के कारण गाहे-बगाहे इस बात का श्रेय लेती रहती है कि राजीव गांधी ने राममंदिर का ताला खुलवाया था वह खुल कर इस बात को कह सकती थी और राममंदिर के अभियान में अपनी भूमिका बता सकती थी। लेकिन कांग्रेस ने वह मौका गंवा दिया। कांग्रेस ने निमंत्रण अस्वीकार करने के दो कारण बताए हैं। पहला 'अर्धनिर्मित मंदिर' और दूसरा 'भाजपा और संघ की राजनीतिक परियोजना'। ये दोनों बातें कांग्रेस ने देश के सबसे श्रेष्ठ हिंदू धर्माचार्यों की टिप्पणियों से लिए हैं। गौरतलब है कि चारों शंकराचार्य इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं। उनका कहना है कि प्राण प्रतिष्ठा धर्मसम्मत तरीके से नहीं हो रही है। लेकिन सवाल है कि जब कांग्रेस खुद ही इसे राजनीतिक प्रोजेक्ट बता रही है तो उसमें धर्मसम्मत चीजें खोजने की क्या जरुरत है? दूसरे, क्या कांग्रेस नेता खुल कर यह बात कहेंगे कि शंकराचार्य नहीं जा रहे हैं इसलिए कांग्रेस भी नहीं जा रही है या कांग्रेस शंकराचार्यों की सारी बातें मानती है? असल में यह सुविधा का सिद्धांत है, हिप्पोक्रेसी है। जब हिंदू धर्म के धर्माचार्य सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करते हैं तब कांग्रेस और देश की सेकुलर जमात सुप्रीम कोर्ट के साथ खड़ी होती है और जब सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मंदिर बनता है तो उसमें धर्मसम्मत होने का मुद्दा उठा कर शंकराचार्यों के साथ खड़े हो जाते हैं। तभी कांग्रेस की इस मामले में बहुत दयनीय राजनीति दिख रही है।

सू- दोकू क्र.066

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

मैक्रों ने चला अटल का दांव

श्रुति व्यास

इमैनुएल मैक्रों को एक जीत की दरकार थी, और गेब्रियल अटल को प्रधानमंत्री नियुक्त कर उन्होंने वह जीत हासिल कर ली है। मैक्रों का दूसरा कार्यकाल उथलपुथल भरा रहा है। उन्हें अलोकप्रियता और जनता की अस्वीकृति का सामना करना पड़ाहै। जनता में पेंशन संबंधी सुधारों, जिनके जरिए रिटायरमेंट की उम्र 62 से बढ़ा कर 64 साल की गई, और दक्षिणपंथियों को खुश करने के लिए प्रस्तावित कठोर आप्रवासी कानूनों को लेकर नाराजगी थी। इसलिए इमैनुएल मैक्रों की छवि एक ऐसे राष्ट्रपति की बन गई जिसने उसे उपलब्ध मौके खो दिए। यह युवा नेता जब सत्ता में आया था, तब वह अपने साथ लाया था ढेर सारी आशाएं और उत्साह। अब उनका स्थान फ्रांस में असंतोष और निराशा ने ले रखा है।

और 62 साल की एलिजाबेथ बोर्न को हटाकर, जिन्होंने इस बात को छिपाने का कोई प्रयास नहीं किया कि वे उन पर दबाव डाले जाने से नाराज हैं, मैक्रों ने कठिनाई भरे अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम दौर को बेहतर बनाने का प्रयास किया है।34 वर्षीय अटल - जो देश के सबसे युवा और पहले खुले तौर पर समलैंगिक प्रधानमंत्री हैं - को नियुक्त कर मैक्रों यह उम्मीद कर रहे हैं कि उनके नंबर कुछ बढ़ जाएंगे। यह माना जाता है कि यह नया युवा प्रधानमंत्री पिछली अलोकप्रिय सरकार का सबसे लोकप्रिय राजनेता था। अटल को इसलिए चुना गया है ताकि उम्मीद की वापसी हो सके। अपनी पुस्तक 'रेविल्यूशन', जो उन्होंने अपने पहले राष्ट्रपति चुनाव अभियान के पहले लिखी थी, में मैक्रों ने लिखा था, जो चीज़ फ्रांस को एक रखती है वह है व्यक्तियों के नस्लीय मूल और नियति की विविधता को स्वीकार और भाग्यवाद को नामंजूर करना।

मैक्रों 39 वर्ष के थे जब वे फ्रांस के राजनैतिक तंत्र को एक नयी दिशा देते हुए देश के इतिहास के सबसे युवा राष्ट्रपति बने। अटल, जो सन् 2०16 में मैक्रों के चुनाव प्रचार में भाग लेने के समय से ही उनके वफादार रहे हैं, अप्रैल 2०27 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के समय 38 वर्ष के होंगे और यदि उनका वर्तमान कार्यकाल सफल रहता है तो संभावना है कि वे अगले चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे।

सख्त सर्दी में प्रधानमंत्री निवास के परिसर में आयोजित समारोह में निवृत्मान प्रधानमंत्री बोर्न के बगल में खड़े अटल ने कहा कि उनकी और राष्ट्रपति मैक्रों की युवावस्था साहस और गतिशीलता की प्रतीक हैं। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि फ्रांस में बहुत से लोग अपने जनप्रतिनिधियों के प्रति संशय में हैं। और यह ठीक ही है क्योंकि बहुत सारे फ्रांसिसी अटल की नियुक्ति को एक जुआ मानते हैं।

यूरोपीय संसद में उग्र राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी दलों के उदारवादी समूह को पछाड़ तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने की भविष्यवाणियों के बीच - यह आशा की ही जानी चाहिए कि मैक्रों का दांव सही पड़ेगा। लेकिन राष्ट्रपति शायद केवल जनता के मूड को ज़रुरत से ज्यादा महत्व दे रहे हैं। जैसा कि बोर्न को गड्ढे में गिरने के बाद समझ में आया, 577 सदस्यीय सदन में बहुमत न होने से, जिसमें मैक्रों की रेनासां पार्टी और उसके मित्र दलों का स्पष्ट बहुमत नहीं है, मैक्रों के इस दूसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री की भूमिका ठीक से निभा पाना लगभग असंभव है। लेकिन इस बात के मद्देनजर कि अगली गर्मियों में पेरिस ओलंपिक और यूरोपियन संसद के चुनाव दोनों होने हैं, मैक्रों, जिनकी एप्रूवल रेटिंग घटकर 27 प्रतिशत रह गई है, सरकार की छवि में बदलाव चाहते थे। नतीजतन अटल को माहौल अनुकूल रखने पर ध्यान केन्द्रित रखना होगा और संसद में टकराव से दूर रहना होगा। मैक्रों का कार्यकाल शायद समाप्ति की ओर है और उनके उत्तराधिकारी की दौड़ शुरू हो चुकी है। यदि वे गलतियां न करें और आशा जगा सकें, तो फ्रांस के नए प्रधानमंत्री 2०27 में ली पेन से मुकाबला करने के लिए दक्षिणपंथियों की मदद से सबसे पसंदीदा उम्मीदवारों में से एक बन सकते हैं लेकिन ऐसे संकेतों के बीच कि अधिकाधिक मतदाता इस समस्याओं से घिरी सरकार से नाउम्मीद होते जा रहे हैं, प्रधानमंत्री पद पर अटल का आसीन होना, अटल के साथ-साथ मैक्रों के लिए भी एक बड़ा दांव है।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर इंटिग्रेटेड अप्रोच के साथ काम करें: रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर इंटिग्रेटेड अप्रोच के साथ काम करते हुए जल्द से जल्द योजनाओं को पूरा करने की हिदायत दी है साथ ही दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य जांच के निर्देश दिये।

आज यहां अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने पूर्णागिरी क्षेत्र के विकास हेतु मास्टर प्लान को तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश के साथ ही शासन स्तर के अधिकारियों एवं जिलाधिकारी चंपावत को मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर इंटिग्रेटेड अप्रोच के साथ काम करते हुए जल्द से जल्द योजनाओं को पूरा करने की हिदायत दी है। इसके साथ ही श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारी चंपावत को जिले में विशेषरूप से दूरस्थ एवं दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में

❑दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं की हो नियमित स्वास्थ्य जांच

अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने चंपावत विधानसभा क्षेत्र हेतु मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में शहरी विकास विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि चम्पावत के गोरलचोड मैदान को स्टेडियम का स्वरूप देने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा 45 लाख रूपये की वितीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति हेतु प्रस्ताव सचिव आवास को भेज दिया गया है। बनबसा में मुक्तिधाम के निर्माण के कार्य को जल्द ही सिंचाई विभाग को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। नगर क्षेत्र चम्पावत में सीवर लाईन के सम्बन्ध में यूयूएसडीए द्वारा डीपीआर पर कार्य किया जा रहा है। चम्पावत में पंचमुखी गौशाला धाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा स्थल चयन समिति से आख्या मांगी गई है। टनकपुर में कम्युनिटी हॉल के निर्माण के सम्बन्ध में कार्यवाही गतिमान है। पर्यटन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि चम्पावत में एडवेंचर पार्क के निर्माण, हैरिटेज स्ट्रीट के निर्माण, पूर्णागिरी क्षेत्र को ईको टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने, गौरलचौड मैदान के समीप ओपन एयर थियेटर के निर्माण तथा गोल्ज्यू मंदिर के समीप पर्यटन अवस्थापनाओं के विकास के सम्बन्ध में कार्यवाही गतिमान है। बैठक में अपर सचिव नितिन भदौरिया, विनीत कुमार, श्रीमती पूजा गर्ब्याल तथा वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी चंपावत नवनीत पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल से मिले सीडीएस अनिल चौहान

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह से सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने मुलाकात की। आज यहां राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से उत्तराखण्ड सदन नई दिल्ली में सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) जनरल अनिल चौहान ने मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, सैनिक कल्याण और विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। वहीं कश्मीर और सेना मुख्यालय में सैन्य सेवाओं के दौरान एक साथ बिताए गए पुराने दिनों को याद किया। राज्यपाल ने उन्हें उत्तराखण्ड आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा की हर उत्तराखण्डी और भारतीय को उन पर बहुत गर्व है।

सनातन गौरव उत्सवः श्रीराम दरबार माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में की गई विशेष पूजा अर्चना

देहरादून (कासं)। सनातन गौरव उत्सव के आज पांचवे दिन श्रीराम दरबार माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में विशेष पूजा अर्चना और सामूहिक आरती की गई। मंदिर के संस्थापक आचार्य डा0 बिपिन जोशी ने सभी सनातन धर्मावलंबियों का आह्वान किया सुन्दर काण्ड पाठ, श्री हनुमान चालीसा पाठ, अखण्ड रामायण पाठ, प्रसाद वितरण, प्रभात फेरी, पद यात्राओं, दीपदान, आदि सभी माध्यमों से हर्षोल्लास के साथ प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन करें। साथ ही पूर्ण सतर्कता और सूझबूझ भी बनाएं रखे।

आज श्री राम दरबार में श्री रामजन्म भूमि आंदोलन में 31 दिन तक राम काज के लिए जेल में बंद रहे स्वर्गीय श्री आशा राम विजय की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा विजय जी श्री राम दरबार और हनुमान जी के समीप बहुत सुन्दर रंगोली बनाई और आरती में भाग लिया। इस अवसर पर योग शिक्षिका गीता जोशी, पंडित गणेश बिजलवान, पण्डित अरविंद बडोनी, कृष्णा नौटियाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

पूर्व दर्जाधारी की मां के साथ मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। पूर्व दर्जाधारी की मां के साथ मारपीट कर सामान तोडने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंद्रबनी निवासी पूर्व दर्जाधारी (राज्य मंत्री) सारिका प्रधान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाली शिखा सक्सेना ने उसके घर में घुसकर उसकी मां के साथ मारपीट कर घर में रखे गमले तोड दिये और जाते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बस राम मंदिर का शोर, सब मुद्दे कमजोर ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का देश-विदेश तक लाइव प्रसारण और फिर रामलला के दर्शन करने के लिए मुफ्त सुविधा इस आयोजन को काफी लंबा खींच सकती है। राम मंदिर के शोर में अब राज्य के स्थानीय मूल निवास और भू कानून के मुद्दों का शोर भी मंद पड़ता जा रहा है। विपक्ष जिन मुद्दों पर सरकार की घेराबंदी करने की रणनीति बना रहा था वह भी कमजोर पड़ते दिख रहे हैं। 22 से पहले यूसीसी कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी या सरकार उसका कार्यकाल बढ़ाएगी यह 2-4 दिन में साफ हो जाएगा। सरकार को दोनों में से एक काम तो करना ही पड़ेगा विपक्षी नेताओं ने भी अब चिल्लाना शुरू कर दिया है कि भाजपा ने फिर राम मंदिर व प्राण प्रतिष्ठा के जरिए धर्म पर राजनीति शुरू कर दी है क्योंकि उन्हें भी यह लग रहा है कि यह राम लहर 2024 में उनका खेल बिगाड़ सकती है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला पिता गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने सगे पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू ग्राम निवासी महिला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति के द्वारा उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया गया। परिवार वालों ने जब उसका विरोध किया तो उसने उनके साथ भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

सगे पिता द्वारा अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने की सूचना से पुलिस अधिकारी भी सकते में रह गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

भारी मात्रा में चरस सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस व एसओजी टीम ने 1 किलो 50 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी व थाना काठगोदाम पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलिवरी हेतु आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र मे संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को हेडाखान क्षेत्र में एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक किलो 50 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम यशपाल सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी ग्राम कौंता, थाना खनस्यु जनपद नैनीताल बताया। बताया कि वह हेडाखान क्षेत्र से चरस लेकर आता है और हल्द्वानी शहर के अलग अलग स्थानों में बेचकर पैसे कमाता है। बीती रात भी वह इसी फिराक में तस्करी के लिए निकला था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो पहले भी नशा तस्करी के आरोप में जेल की हवा खा चुका है।

फर्जी वसीयत बनाकर भूमि हड़पने के मामले में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मरे हुए व्यक्ति की फर्जी वसीयत बनाकर भूमि हडपने के मामले में आईजी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एस्लेहाल निवासी विवेक अग्रवाल ने आईजी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि कृष्ण मित्तल पुत्र श्रीराम मित्तल निवासी भोसले मार्ग, मुम्बई की ग्राम-जाखन मे पुश्तैनी सम्पत्ति/भूमि है तथा वह उनका मुख्तारेआम है। वह कृष्ण मित्तल का निकट सम्बन्धी होने के कारण प्रस्तुत प्रकरण के समस्त तथ्यों से भलीभांति अवगत है। वह कृष्ण मित्तल की जाखन, किशनपुर, देहरादून में स्थित सम्पत्ति की देखरेख करने हेतु जाता रहता है। कुछ दिन पूर्व 15 दिसम्बर 2023 को जब वह उक्त भूमि पर देखरेख करने गया तो उसने देखा कि कुछ भू-माफिया किस्म के व्यक्ति उक्त भूमि की पैमाईश आदि कर रहे है।

उसके वहा पर पहुंचने पर जब उसने पैमाईश पर आपत्ति प्रकट करी तो उन्होंने कहा कि यह सम्पत्ति वह खरीद रहे है। जब उसके द्वारा उनसे कहा गया कि वह इस सम्पत्ति के मालिक, स्वामी है तो उन्होंने उससे अभद्रता करते हुए गाली-गलौच करनी शुरू कर दी और कहा कि उन लोगों ने यह सम्पत्ति जिनसे खरीदी है उन लोगों ने सुदर्शन कुमार अरोड़ा से यह सम्पत्ति क्रय की है तथा सुदर्शन कुमार अरोड़ा के पक्ष में श्रीराम मित्तल ने वसीयत की हुई है। उसके द्वारा हल्ला मचाने पर वे लोग मौके से भाग गये।

उसके द्वारा छानबीन करने पर पता चला कि सुदर्शन कुमार अरोड़ा द्वारा कूटरचित अपंजीकृत वसीयत के आधार पर श्रीराम मित्तल की मृत्यु के उपरान्त उनकी वसीयत दर्शाते हुए अपने नाम पर भूमि का दाखिल खारिज भी करवा लिया था, जिसमें आपत्ति करने पर सुदर्शन कुमार अरोड़ा सम्बन्धित न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ, जिस कारण उक्त भूमि का दाखिल खारिज निरस्त हो गया। आईजी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में जलाई गई 108 फीट की अगरबत्ती

अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी को 84 सेकंड के अति सूक्ष्म मुहूर्त में पूरा किया जाएगा। ऐसे में कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर चल रही है। अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के लिए पहुंची 108 मीटर लंबी इस अगरबत्ती को आज जला दिया गया है। बता दें कि 108 मीटर की ये अगरबत्ती गुजरात के वडोदरा से आई है। इसे बनाने में 6 महीने के समय लगा था। इसे लेकर 26 लोग अयोध्या के लिए 1 जनवरी को रवाना हुए थे। अगरबत्ती के अयोध्या पहुंचने के बाद इसे जय श्री राम की जयकार के बीच श्री रामभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास जी महाराज की मौजूदगी में जलाया गया है।

गुजरात के वडोदरा में बनी 108 मीटर लंबी अगरबत्ती अयोध्या पहुंच गई है इसे जला लिया गया है। बता दें कि इस अगरबत्ती की चौड़ाई 3.5 फीट है। इसमें 1470 किलोग्राम गाय का गोबर, 420 किलोग्राम जड़ी-बूटियां, 376 किलोग्राम गुग्गुल, 376 किलो नारियल के गोले और 190 किलोग्राम घी मिलाकर अगरबत्ती को तैयार किया गया है। इसकी सुगंध बहुत तेज है, जो कई किलोमीटर तक फैलेगी।

बता दें अगरबत्ती का निर्माण पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कहा जा रहा है कि ये अगरबत्ती डेढ़ महीने तक जलती रहेगी। इसी बीच राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले कई तरह के तोहफे अयोध्या पहुंच रहे हैं। अयोध्या पहुंचने वाले तोहफों में राम जी के ससुराल जनकपुरी से भी कई तोहफे आए हैं। उसके अलावा भारत के अन्य राज्यों से अष्ट धातु से बना घंटा, सोने के परत वाले जुते, अलमारी, नगाड़ा और 108 मीटर लंबी अगरबत्ती आई है।

केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के अपहरण की कोशिश, सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को दबोचा

लखनऊ। लखनऊ में केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के अपहरण की कोशिश के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मंत्री के ड्राइवर ने इस बात की जानकारी देते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। ड्राइवर हवाई अड्डे से मंत्री को लेने जा रहा था और चाय पीने के लिए बंथरा थाना क्षेत्र में न्यू प्रधान ढाबा के पास थोड़ी देर के लिए रुका था।

उन्होंने बताया कि वह व्यक्ति अचानक वहां आया और कार के अंदर बैठे गनर को धक्का देकर बाहर निकाल दिया। शिकायत के अनुसार, उस व्यक्ति ने वाहन लेकर भागने की भी कोशिश की। तभी अन्य सुरक्षाकर्मियों ने शख्स को घेर लिया और कार को रोकने में कामयाब रहे और युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम को मिला रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता एवं कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम् रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के समारोह में हिस्सा लेने अयोध्या जाएंगे। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अतुल ने बुधवार को आचार्य प्रमोद कृष्णम को 22 जनवरी को होने वाले श्री रामजन्म भूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण दिया। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भगवान श्री राम के मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष भाजपा से लड़े भगवान राम और अयोध्या से नहीं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व पार्टी के बेतालों से परेशान है।

आचार्य बोले, कांग्रेस में कुछ लोगों को राम के नाम से चिढ़ है।उन्हें राम नाम सुनना पसंद नहीं है। वे राक्षसी प्रवृत्ति के हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इस दौरान सपाध्यक्ष अखिलेश यादव को भी आड़े हाथों लिया। आचार्य ने कहा कि यह उत्सव का दिन है। उन्हें शान-ओ-शौकत से इसे मनाते हुए अपने पापा का प्रायश्चित करना चाहिए। आचार्य प्रमोद बोले- कांग्रेस पार्टी के अंदर 80% नेता ऐसे हैं, जो भगवान श्रीराम के पथ पर चलना चाहते हैं। भगवान श्रीराम के मंदिर का दर्शन करना चाहते हैं, हमारे बहुत से नेता दो-तीन दिन पहले रामलला के दर्शन करने अयोध्या गए थे। पूरी कांग्रेस पार्टी के अंदर बहुत ज्यादा लोग भगवान राम के मंदिर के दर्शन करने जाएंगे।

35 लाख की साईबर धोखाधड़ी में हरियाणा से एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। 35 लाख की साईबर धोखाधड़ी में एसटीएफ की साईबर थाना कुमाऊं परिक्षेत्र पुलिस द्वारा एक शातिर को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी खुद को आरबीआई का कर्मचारी बताकर रिलाइन्स बीमा पॉलिसी की धनराशि में विभिन्न स्कीम के तहत मुनाफे का लालच देकर पीड़ितों से धनराशी जमा करवा कर धोखाधड़ी की घटना को अंजाम दिया करता था। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त बैंक खातों के 3 चैक बुक, 6 डेबिट कार्ड, 3 मोबाइल फोन व विभिन्न सिम कार्ड भी बरामद किये गये है।

साईबर धोखाधड़ी का एक मामला नैनीताल के कोतवाली भीमताल में स्थानीय निवासी द्वारा माह अक्टूबर 2023 में दर्ज कराया गया था। जिसमें उन्होंने बताया कि उनके भाई द्वारा फोन कर बताया कि उनका बीमा पॉलिसी का पैसा आरबीआई में फंस गया है, तथा टीडीएस की धनराशि जमा करने पर पैसा वापस हो जायेगा। फिर बाद में साइबर अपराधियों द्वारा अलग-अलग बहाने से मुनाफे की बात कहकर पीड़ित से लगभग 35 लाख रूपये की धनराशि धोखाधडी से विभिन्न बैंक खातों में जमा करवा दी गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच एसटीएफ को स्थानान्तरित की गयी। जिस पर वरिष्ठ

पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा विवेचना साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन कुमाऊँ परिक्षेत्र स्थानान्तरित कर दी गयी। मामले में साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातो, मोबाइल नम्बर, जीमेल तथा वाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंको, सर्विस प्रदाता कम्पनी, मेटा तथा गूगल कम्पनियों से डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मे आया कि साईबर अपराधियो द्वारा घटना में पीड़ित से प्री-एक्टिवेटेड दूसरे व्यक्तियों के नाम से आवंटित मोबाइल सिम कार्ड का प्रयोग किया गया है तथा मध्य प्रदेश के मोरेना तथा इटवा, उत्तर प्रदेश के विभिन्न बैंक खातो में धोखाधड़ी से धनराशि प्राप्त की गयी है । इन खातों से धनराशि नोएडा, दिल्ली तथा हरियाणा के विभिन्न एटीएम मशीनों से आहरित की गयी है। विवेचना के दौरान साईबर थाना पुलिस द्वारा बैंक खातो तथा मोबाइल नम्बरों का सत्यापन कार्यवाही के फर्जी आईडी पर संचालित होने पाये गये। टीम द्वारा तकनीकी, डिजिटल साक्ष्य, एटीएम फुटेज एकत्र कर घटना के मास्टर मांइड व मुख्य आरोपी रवि कांत शर्मा पुत्र राजबीर निवासी पदमा विद्यालय के पास, ग्राम मुड़ियाखेड़ा, थाना मोरेना जिला मोरेना, म.प्र. को चिन्हित करते हुये आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जो पुलिस को चकमा देने के उद्देश्य से समय-समय पर अपनी लोकेशन बदलता रहता था। इसी बीच साईबर पुलिस टीम के पास कुछ नई तकनीकी बिन्दुओं पर प्राप्त जानकारी हाथ लगी जिस पर टीम द्वारा अथक प्रयास से फरार चल रहे रविकांत शर्मा को जिला फरीदाबाद हरियाणा से गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त बैंक खाते की चैकबुक, डेबिट कार्ड, आधार कार्ड व पैन कार्ड व 3 मोबाइल फोन तथा कई सिम कार्ड भी बरामद हुए है।

विवाह समारोह में बुजुर्ग महिला के कुण्डल लूटने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। विवाह समारोह में बुजुर्ग महिला के कान के कुण्डल लूटने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा हुआ कुण्डल बरामद कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पौडी गढवाल निवासी जसराम जोशी ने 17 जनवरी को डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एक वैडिग प्वांइट में विवाह समारोह के दौरान एक युवक ने उनकी बुजुर्ग मां के कान से कुण्डल लूट लिये तथा मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर क्षेत्र के लगभग 60 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। आज पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले मनीष नेगी पुत्र मनवीर सिंह नेगी निवासी ओल्ड नेहरू कालोनी गोल चक्कर के पास को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटे हुए कुण्डल बरामद कर लिये। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

भाई का हत्यारा सगा छोटा भाई गिरफ्तार

❑नशे में भाई ने दी गाली तो कर दिया मर्डर

हमारे संवाददाता

टिहरी। मुनिकीरेती थाना क्षेत्र में 63 साल के बुजुर्ग की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक के छोटे भाई को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

मामला जमोला गांव का है। पुलिस के अनुसार दो दिन पहले शिवपुरी चौकी से करीब 45 किलोमीटर दूर जमोला गांव में 63 साल के ज्ञान सिंह का शव लहूलुहान हालत में घर के बाहर मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। इस मामले में मृतक ज्ञान सिंह के बेटे दिनेश सिंह ने पुलिस को तहरीर दी थी। तहरीर में दिनेश सिंह ने अपने पिता ज्ञान सिंह की हत्या का आरोप चाचा गोविंद सिंह पर लगाया था। उसी के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसी के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

मुनिकीरेती थाने के इंस्पेक्टर रितेश शाह और वरिष्ठ उप निरीक्षक योगेश पांडे की टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी, लेकिन आरोपी पुलिस से बचने के लिए अपने ठिकाने बदल रहा था। हालांकि दो दिन के अंदर ही पुलिस ने आरोपी गोविंद सिंह को तपोवन से गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर रितेश शाह ने बताया कि ज्ञान सिंह शराब के नशे में अपने छोटे भाई गोविंद सिंह के साथ गाली गलौज करता था। इसी वजह से गुस्से में आकर गोविंद सिंह ने अपने भाई ज्ञान सिंह को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या के प्रयुक्त लकड़ी के फट्टे को बरामद कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।